कुष्ठ के लिये कार्य करना मात्र चिकित्सकीय मदद ही नहीं, वरन् इंसान की घोर निराशा और क्षोभ को खुशी और आनंद में बदलना है। यह व्यक्तिगत आकांक्षाओं, अभिलाषाओं को जागृत कराने के लिये निःस्वार्थ सेवा है।

- महात्मा गांधी

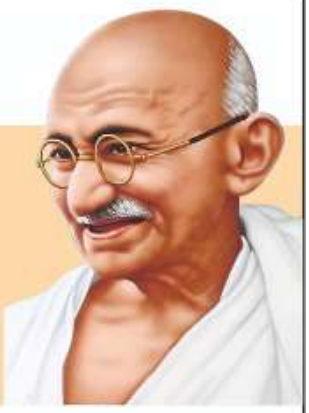

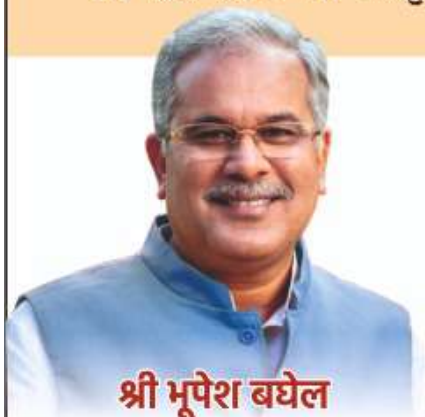

श्री भूपेश बघेल
मान. मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

02 अक्टूबर, 2021
बापू की 152 वीं जयंती पर
कुष्ठ जागरुकता दिवस

" कुष्ठ रोग साध्य है, MDT के सेवन से रोगमुक्ति निश्चित है "

- कुष्ठ रोग अन्य रोगों के समान रोगाणुओं से होता है एवं साध्य है
- यह अमीर-गरीब, छोटे-बड़े किसी को भी हो सकता है।
- खान-पान, साथ-साथ रहने अथवा कार्य करने से नहीं होता है ।
- एम.डी.टी. की दवा कुष्ठ रोग का शर्तिया ईलाज है।
- कुष्ठ के लक्षण- चमड़ी पर तेलिया-तामिया चमक हों, चमड़ी पर खासकर चेहरे पर, भौंहे के ऊपर, ठोड़ी पर कानों के पीछे सूजन-मोटापन, गांठें हों, तंत्रिकाओं/दागों में सुन्नपन- मोटापन-सूजन हो, दबाने से दर्द होता हो, हाथ पैरों में झुनझुनी-सुन्नपन हो।

सपना का सपना,
कुष्ठमुक्त भारत अपना

आइये कुष्ठ रोग की जानकारी समुदाय के हर व्यक्ति को दें ताकि हम छत्तीसगढ़ को कुष्ठ मुक्त बना सकें

छत्तीसगढ़ शासन

एम.डी.टी. की दवा सभी सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों एवं अस्पतालों में मुफ्त मिलती है।

सही जानकारी एवं सेवाओं के लिए नजदीक के स्वास्थ्य केन्द्र या अस्पताल से संपर्क करें।

कोरोना संक्रमण से बचने के लिए इन सावधानियों का पालन करें

घर से निकलते समय मास्क ज़रूर पहनें।	भीड़ वाली जगाहों पर जाने से बचें।	एक दूसने से कम से कम 6 फीट या 3 हाथ की दूरी बना कर रखें।	बार-बार साबुन और पानी से हाथ धोएं या सैनिटाइज़र का उपयोग करें।

किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या होने पर 104 से संपर्क करें

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ द्वारा जनहित में प्रसारित